



Mr.saiyamkhailani



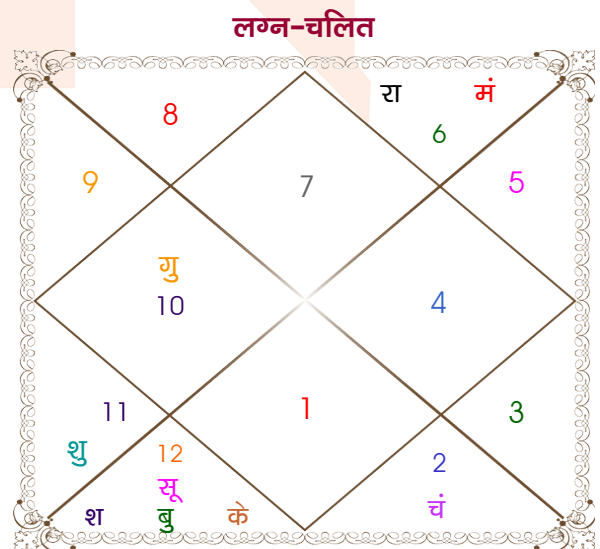
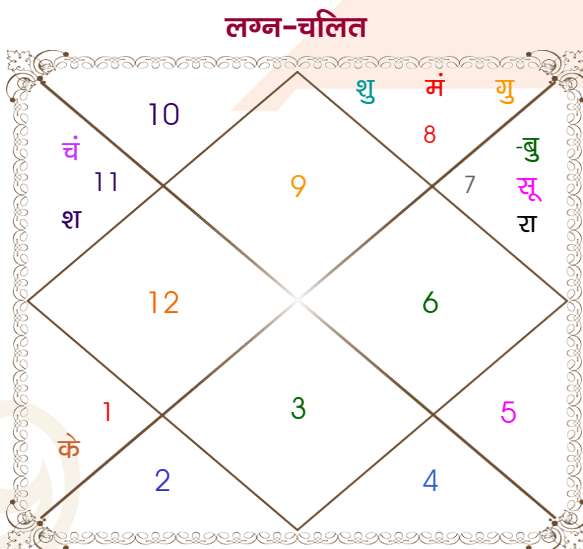
Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119204408

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 01/11/1995 : _____ जन्म तिथि _____ 14/03/1997
 बुधवार : _____ दिन _____ शुक्रवार
 घंटे 10:30:00 : _____ जन्म समय _____ 21:45:00 घंटे
 घंटे 09:52:43 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 38:01:20 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Delhi : _____ स्थान _____ Panipat
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 29:24:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 76:58:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:22:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:32:54 : _____ सूर्योदय _____ 06:33:36
 17:36:25 : _____ सूर्यास्त _____ 18:29:35
 23:48:02 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 8मा 19दि		04:51:35	धनु	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
गुरु		14:29:48	तुला	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
21/07/2016		01:29:13	कुंभ	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
21/07/2032		14:22:34	वृश्चि	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
गुरु	08/09/2018	01:04:14	तुला	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
शनि	21/03/2021	22:15:27	वृश्चि	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
बुध	27/06/2023	03:26:09	वृश्चि	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
केतु	02/06/2024	24:33:51	कुंभ व	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
शुक्र	01/02/2027	02:40:16	तुला	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
सूर्य	20/11/2027	02:40:16	मेष	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
चन्द्र	21/03/2029	03:00:18	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
मंगल	25/02/2030	29:10:38	धनु	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
राहु	21/07/2032	05:49:52	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.saiyamkhailani का वर्ग मार्जार है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.saiyamkhailani और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.saiyamkhailani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.saiyamkhailani कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.saiyamkhailani कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है ।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.saiyamkhailani कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है ।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है ।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है ।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है ।

क्योंकि राहु Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.saiyamkhailani कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.saiyamkhailani तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

